# असां तैनू अपना बना लिया

सानु भावे गैरां विच्च रख तू,
असां तैनू अपना बना लिया
उठी प्रेम दी तरंग, मन भाया श्याम रंग,
अंग अंग तेरे रंग च रंगा लिया

श्याम तेरा श्याम रंग ऐसा मन भ गया,
सुध बुध सानु सारे जग दी भुला गया
सारे पुछदे ने लोग, कित्थों लगेया ए रोग,
केहड़ी गलों वेश योगिया बना लिया
सानु भावे गैरां विच्च रख तू...

भाव दा प्याला असीं घुट जदों भरेया,
नाम दा सरूर कुंज इस तरह चड़ेया
सारे खिले कल्ले कल्ले, दिल आखे बल्ले बल्ले,
हरी नाम दा प्याला मुख ला लिया
सानु भावे गैरां विच्च रख तू...

स्वर : स्वामी भुवनेश्वरी देवी जी महाराज

https://alltvads.com/bhajan/lyrics/id/881/title/sanu-bhave-gaira-vichch-rakh-tu-asaan-tainu-abna-bana-leya-bhajan-by-swami-shree-bhuvneshwari-devi-ji

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |